जिस पुलिस से डरते हैं साइबर अपराधी, उसी के मोबाइल हैक कर मांगे रुपए

- ई-चालान के नाम पर पुलिसकर्मियों पर किया साइबर अटैक
- व्हाट्सएप अकाउंट उड़ाए, रिश्तेदारों से मांगे रुपए
- पुलिस भी नहीं बच पा रही साइबर ठगी से, फर्जी एपीके ने खोली पुलिस की कलई

नव भारत न्यूज

इंदौर. जिस पुलिस के जिम्मे आम लोगों को साइबर अपराधों से बचाने की जिम्मेदारी है, वही महकमा खुद साइबर ठगों के निशाने पर आ गया. ई-चालान के नाम पर भेजी गई फर्जी एपीके फाइल ने पुलिसकर्मियों के मोबाइल हैक कर दिए और रिश्तेदारों से उनके व्हाट्सएप अकाउंट से रुपए मांगने के मैसेज वायरल हो गए. मामले में पुलिस जांच में जुटी.

शहर के आजाद नगर, लसूड़िया, तुकोगंज और चंदन नगर थानों में पदस्थ पुलिसकर्मियों के मोबाइल हैक होने का मामला सामने आया है. जांच में पता चला है कि संबंधित पुलिसकर्मियों के मोबाइल पर ई-चालान से जुड़ी एक फर्जी एपीके फाइल आई थी. जैसे ही फाइल डाउनलोड की गई, मोबाइल का पूरा एक्सेस साइबर अपराधियों के हाथ में चला गया और व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गए. हैक किए गए नंबरों से पुलिसकर्मियों के परिचितों और रिश्तेदारों को रुपए मांगने के मैसेज भेजे गए, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई. मामले की जानकारी मिलते ही क्राइम ब्रांच की साइबर टीम हरकत में आई और जांच शुरू की गई.

अनजान व संदिग्ध एपीके फाइल डाउनलोड करना हो सकता है खतरनाक

क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया का कहना है कि इस तरह की फर्जी एपीके फाइलें पूरे प्रदेश में सक्रिय हैं और पुलिसकर्मी ही नहीं, आम नागरिक भी इनके निशाने पर हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी अनजान या संदिग्ध एपीके फाइल को डाउनलोड करना बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे मोबाइल का डेटा फॉरवर्ड मोड में चला जाता है और साइबर ठग मनमर्जी से दुरुपयोग करते हैं. पुलिस ने सभी थानों को अलर्ट कर दिया है और पुलिसकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों से भी अपील की है कि ई-चालान या किसी भी सरकारी प्रक्रिया के नाम पर आने वाले संदिग्ध लिंक और एपीके फाइलों से दूरी बनाए रखें. हैक हुए मोबाइल नंबरों और इसके पीछे सक्रिय साइबर गिरोह की पहचान को लेकर जांच की जा रही है.

ब्रांडेड कंपनी के नकली लोगो वाले जूतों की बड़ी खेप जब्त

- लोडिंग गाड़ी में भरकर सांवेर से डिलीवरी देने जा रहा था ड्राइवर
- एरोड्रम पुलिस की कार्रवाई, कंपनी संचालक पर एफआईआर दर्ज

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली माल खपाने के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए एरोड्रम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने कॉपीराइट और ट्रेडमार्क उल्लंघन के मामले में नकली लोगो वाले जूतों की खेप जब्त कर दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है.

एरोड्रम टीआई तरुण सिंह भाटी ने बताया कि पुलिस ने बीएनएस एवं कॉपीराइट एक्ट की धारा में कार्रवाई की है. पुलिस ने सूचना पर सुखदेव विहार कॉलोनी के पास खाली मैदान क्षेत्र में एक सफेद रंग की महिंद्रा जीतो लोडिंग वाहन नम्बर एमपी-15 जेडडी 1197 को रोका. वाहन पर 'टाइगर' लिखा हुआ था और उस पर प्यूमा कंपनी का लोगो भी लगा था. जांच के दौरान वाहन से चॉकलेट ब्राउन रंग के 300 जोड़ी जूते बरामद किए गए, जो 10 कार्टन में भरे हुए थे. प्रत्येक कार्टन में 30 डिब्बे पाए गए. जब्त जूतों की अनुमानित कीमत करीब 45 हजार रुपए बताई गई है. समक्ष पंचों की मौजूदगी में जांची पंचनामा तैयार कर कार्रवाई की गई, जिसकी वीडियोग्राफी आरक्षक जीवन परिहार द्वारा की गई.

सांवेर स्थित फैक्ट्री में बनाए जा रहे थे नकली जूते

टीआई के अनुसार, वाहन चालक से पूछताछ में उसने बताया कि यह माल सांवेर स्थित महालक्ष्मी प्लॉस्टिक इंडस्ट्रीज के मालिक योगेश पंजाबी से लेकर जा रहा था और डिलीवरी देने के लिए निकला था. जांच में सामने आया कि जूतों पर प्यूमा कंपनी का नकली लोगो लगाया गया था और इन्हें बेचकर अवैध लाभ कमाया जा रहा था. भाटी के अनुसार इस कृत्य से संबंधित कंपनी के कॉपीराइट और ट्रेडमार्क का उल्लंघन किया गया, साथ ही धोखाधड़ी का अपराध भी पाया. मामले में योगेश पंजाबी, निवासी सांवेर रोड इंदौर के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है.

कंपनी के कानूनी सलाहकार ने की थी शिकायत

जानकारी के मुताबिक, एडवोकेट सुमित शर्मा पिछले तीन वर्षों से प्यूमा कंपनी में अधिकृत रूप से कानूनी सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं. उन्होंने पुलिस को बताया था कि कंपनी के ट्रेडमार्क का यहां गलत इस्तेमाल किया जा रहा है. योगेश पंजाबी द्वारा प्यूमा कंपनी के नकली लोगो लगे जूते बेचकर अवैध लाभ कमाया जा रहा है. जानकारी जुटाने पर उन्हें लोडिंग गाड़ी के एरोड्रम क्षेत्र में खाली होने की सूचना मिली, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और पुलिस ने यह कार्रवाई की गई.

ज्वेलरी शॉप से लाखों की चोरी मामले में पुलिस तीन दिन बाद भी खाली हाथ

- सीसीटीवी फुटेज और रूट मैप के सहारे आरोपियों की तलाश

नव भारत न्यूज

इंदौर. राऊ थाना क्षेत्र में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात एक ज्वेलरी दुकान से लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चोरी होने के मामले में पुलिस तीन दिन बाद भी खाली हाथ है. बहरहाल, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही आरोपियों के फरार होने के रूट मैप पर काम शुरू कर दिया है.

राऊ थाना प्रभारी राजपाल सिंह राठौर ने बताया कि क्षेत्र के सिलिकॉन सिटी स्थित श्री ज्वेलर्स में शनिवार और रविवार की दरमियानी रात चोरी की वारदात हुई. अज्ञात बदमाश दुकान के ताले तोड़कर अंदर घुसे और वहां रखे सोने-चांदी के जेवरात समेटकर फरार हो गए. चोरी गए माल की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है. दुकान संचालक देवेंद्र सोनी जब सुबह दुकान पहुंचे, तब ताले टूटे देख वारदात की जानकारी पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई.

सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे कुछ संदिग्ध

मामले में एसीपी निधि सक्सेना का कहना है कि घटना के तुरंत बाद एफएसएल टीम को बुलाकर मौके से फिंगरप्रिंट्स सहित अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए हैं. दुकान और आसपास की कॉलोनियों तथा प्रमुख मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जब्त किए हैं, जिनमें कुछ संदिग्ध नजर आए हैं. थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं. पुलिस अब चोरी के बाद आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए रास्तों का रूट मैप तैयार कर रही है, ताकि उनकी लोकेशन और मूवमेंट का पता लगाया जा सके. फिलहाल कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है, लेकिन पुलिस का दावा है कि संदिग्धों के हुलिए और संभावित वाहनों की पहचान के आधार पर जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा.

निलंबित जज वीरेंद्र रावत को जमानत देने वाले जज का तबादला

- आईएएस संतोष वर्मा के फर्जी आदेश मामले में दिया था जजमेंट

इंदौर. आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा से जुड़े फर्जी आदेश मामले में एक नया मोड़ सामने आया है. इस प्रकरण में आरोपियों को जमानत देने वाले सेशन जज प्रकाश कसेरा का इंदौर से सीधी तबादला कर दिया गया है. इससे मामले की संवेदनशीलता और बढ़ गई है.

आईएएस संतोष वर्मा से जुड़े फर्जी आदेश मामले में हाईकोर्ट जबलपुर के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा प्रशासनिक आदेश जारी किया है. आदेश के तहत इंदौर जिला न्यायालय में पदस्थ सेशन जज प्रकाश कसेरा का तबादला कर उन्हें सीधी के रामपुर सेशन कोर्ट में पदस्थ किया है. यह तबादला आदेश एक दिन पूर्व पारित हुआ है. यह मामला वर्ष 2021 से जुड़ा है, जब इंदौर के एमजी रोड थाना पुलिस ने फर्जी न्यायिक आदेश तैयार करने के आरोप में केस दर्ज किया था. इस प्रकरण में उस समय इंदौर में पदस्थ जज वीरेंद्र सिंह रावत और उनकी कोर्ट की टाइपिस्ट नीतू सिंह को आरोपी बनाया गया था. दोनों ही वर्तमान में निलंबित हैं. प्रकरण में सेशन जज प्रकाश कसेरा ने पहले निलंबित जज वीरेंद्र सिंह रावत को अग्रिम जमानत दी थी.

इसके बाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई टाइपिस्ट नीतू सिंह को रिमांड अवधि के दौरान 19 दिसंबर 2025 को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे. जबकि टाइपिस्ट नीतू सिंह की गिरफ्तारी के बाद एसीपी विनोद दीक्षित ने बयान दिया था कि जांच के दौरान आईएएस संतोष वर्मा और निलंबित जज वीरेंद्र सिंह रावत पुलिस को अपेक्षित सहयोग नहीं कर रहे हैं. इसी आधार पर पुलिस अब दोनों की जमानत निरस्त कराने के लिए कोर्ट में आवेदन देने की तैयारी कर रही है. पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है और आगे की कार्रवाई साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी.

एक नजर में

तनिष्क को राष्ट्रीय शॉटगन चैम्पियनशिप में रजत

महू. नगर के तनिष्क जायसवाल ने 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो महत्वपूर्ण पदक जीते. यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता भोपाल में

आयोजित की गई थी, जिसमें तनिष्क ने राइफल इवेंट्स में भाग लिया. तनिष्क ने 10 मीटर एयर राइफल (पुरुष) व्यक्तिगत श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की और ओपन तथा सिविलियन दोनों श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने ओपन पुरुष श्रेणी में 630.7 का स्कोर करते हुए अखिल भारतीय रैंकिंग में 9वां स्थान प्राप्त किया. इसके साथ ही सिविलियन पुरुष श्रेणी में तनिष्क ने दूसरा स्थान हासिल करते हुए रजत पदक अपने नाम किया. उनके कोच इमरान हसन खान ने तनिष्क की मेहनत और समर्पण की सराहना की और कहा कि यह तनिष्क की कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है. मैं उनके प्रदर्शन से बहुत गर्वित हूं. तनिष्क ने प्रतियोगिता में अपने प्रदर्शन के बारे में कहा कि मुझे अपने कोच इमरान हसन खान का धन्यवाद देना चाहिए, जिन्होंने मुझे सही मार्गदर्शन और प्रेरणा दी. इस उपलब्धि से तनिष्क ने ना केवल अपनी मेहनत और प्रशिक्षण को मान्यता दिलाई, बल्कि मध्य प्रदेश को भी गर्व महसूस कराया. उनकी यह सफलता शूटिंग के क्षेत्र में राज्य की नई पहचान बनेगी.

कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

महू. महू ग्राम एवं डोंगरगांव स्थित ओल्ड एबी रोड पर राधा स्वामी आश्रम के समीप चौहान परिवार द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा एवं भागवत शोभायात्रा के साथ हुआ. प्रात- 8.30 बजे निकली कलश यात्रा में चौहान परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रीमद् भागवत ग्रंथ को लेकर शामिल हुए, वहीं महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर शोभायात्रा की भव्यता बढ़ाई. कलश यात्रा डोंगरगांव के मुख्य मार्गों से होती हुई कथा स्थल पर पहुंची. कथा स्थल पर पहुंचने के पश्चात व्यासपीठ की विधिवत पूजा-अर्चना चौहान परिवार एवं अन्य श्रद्धालुओं द्वारा की गई. इसके उपरांत पं. सत्येंद्र कृष्ण महाराज (वृंदावन) द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया. अपने प्रवचन में उन्होंने श्रीमद् भागवत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा से मानव जीवन में भक्ति, सदाचार एवं संस्कारों का विकास होता है. आयोजकों ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 12.30 बजे से प्रारंभ होगी, जिसका समापन 29 दिसंबर 2025 को महाप्रसादी के साथ किया जाएगा. कथा के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

मामाजी महेश कुमार पाल को दी संगीतमय श्रद्धांजलि

महू. जनता कांग्रेस महासचिव अमित वर्मा के मामाजी स्व. महेश कुमार पाल को निर्वाण के एक वर्ष पूर्ण होने पर संगीतमय बरसी कार्यक्रम आयोजित कर आत्मीयजनों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई. स्थानीय महाराष्ट्र समाज धर्मशाला में

आयोजित स्वरांजलि कार्यक्रम में रवि चौहान ने भावभीने गीतों से समां बांध दिया. वहीं, दूसरी ओर परिवार जनों के साथ लॉरेंस फ्रांसिस, विनोद लाल, राकेश पाल, प्रहलाद शर्मा, सुभाष यादव, मिलिंद मजूमदार, राधे कौशल, विजय खंडेलवाल, मोंटू यादव, परमानंद त्रिपाठी, दीपक परमार, पीडी वर्मा, अजय कौशल, मीता जोशी आदि सैकड़ों स्नेहीजनों ने श्रद्धांजलि दी.

शहर में तीन जगह आग की घटनाएं, दमकल ने समय पर पाया काबू

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में अलग-अलग क्षेत्रों में आग लगने की तीन घटनाएं सामने आईं. सांवेर रोड सेक्टर ए स्थित एक प्लॉस्टिक दाना बनाने वाली फैक्ट्री में, बड़ा गणपति चौराहे के सामने कचरे के ढेर में और महू नाका क्षेत्र में नर्मदा परियोजना के लिए खुले मैदान में रखे प्लॉस्टिक पाइपों में आग लग गई. सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया.

पहली घटना सांवेर रोड सेक्टर ए स्थित एक प्लॉस्टिक दाना बनाने वाली फैक्ट्री में हुई, जहां रात के समय फैक्ट्री में भीषण आग लग गई. घटना के वक्त फैक्ट्री में कोई मौजूद नहीं था. आग में फैक्ट्री में रखा लाखों रुपए का माल जल गया. सूचना मिलने पर दमकलकर्मी

मौके पर पहुंचे और करीब 25 हजार लीटर पानी की मदद से आग बुझाई. दमकल टीम ने बताया कि फैक्ट्री के पास ही एक मेटल फैक्ट्री भी स्थित है, आग फैलती तो वह भी चपेट में आ सकती थी. आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है. दूसरी घटना बड़ा गणपति चौराहे के पास सामने आई, जहां कचरे में लगी आग ने पास ही स्थित एक गुमटी को अपनी चपेट में ले लिया. बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने ठंड से बचने के लिए अलाव जलाया था, जिसे बुझाए बिना छोड़ दिया था, इससे आग फैल गई. तीसरी घटना महू नाका क्षेत्र में हुई, जहां नर्मदा परियोजना के लिए खुले मैदान में रखे प्लॉस्टिक पाइपों में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई.

प्लॉस्टिक पाइपों में शरारती तत्वों पर आग लगाने की आशंका

नर्मदा परियोजना के लिए खुले मैदान में रखे प्लॉस्टिक पाइपों में आग लगने से काले धुएं का गुबार उठने लगा और कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ. दोपहर करीब 2.20 बजे सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ी मौके पर भेजी गई. एसआई संतोष कुमार दुबे ने बताया कि आग बुझाने में दो टैंकरों का उपयोग किया, जिनसे 35 हजार लीटर पानी लगा. प्रारंभिक तौर पर आग के पीछे शरारती तत्व की आशंका जताई जा रही है.

एक्सयूवी कार से 47 पेटी शराब ले जाते एक गिरफ्तार

इंदौर. पुलिस ने एक्सयूवी कार में भरी बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तारी कर न्यायालय में पेश कर उसे रिमांड पर लिया है. पुलिस आरोपी से अवैध शराब के मामले में पूछताछ कर रही है.

बेटमा थाना प्रभारी मीना कर्णावत ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक्सयूवी कार एमएच 02 सीयू 5400 से 423.12 लीटर देशी और अंग्रेजी शराब जब्त की है. जिसमें 25 पेटी मसाला देशी, 8 पेटी सफेद देशी, 8 पेटी अंग्रेजी एमडी रम, 1 पेटी आरसी, 2 पेटी बोल्ट बीयर और 3 पेटी लिमोंड बीयर शामिल हैं. जप्त माल के साथ वाहन की कीमत 7.12 लाख रुपए आंकी गई है. मामले में 26 वर्षीय आरोपी अजय पिता जुझार सिंह पंवार निवासी ग्राम मेठवाड़ा को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है.

सड़क हादसे के बाद युवती दहशत में, दी जा रही धमकी

इंदौर. सडक् हादसे के बाद पीड़िता को धमकाने और डराने का मामला सामने आया है. युवती ने आरोप लगाया है कि एक्सीडेंट के बाद उसे फोन कर नौकरी छुड़वाने, जान से मारने की धमकी और अश्लील गालियां दी गई है. पीड़िता का कहना है कि वह इस घटना के बाद काफी डरी हुई है और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है.

शिकायतकर्ता कसक माणिक निवासी अरण्य नगर ने पुलिस को बताया कि 7 दिसंबर 2025 की शाम करीब 6.30 बजे वह अपने भाई के साथ किसी काम से जा रही थी. इसी दौरान जुपिटर वाहन नम्बर एमपी 09 एएफ 6439 जिसे तीन छोटे बच्चे चला रहे थे, ने तेज गति से उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी. हादसे में उसकी कार एमपी 09 एडब्ल्यू 9207 को नुकसान हुआ, जबकि उसकी सहेली के पैर में गंभीर चोट आई, जिसका इलाज निजी अस्पताल में कराया जा रहा है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि हादसे के बाद उसने अपनी क्षतिग्रस्त गाड़ी शोरूम में जमा करवा दी. इसके बाद एक अनजान नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को वसीम खान निवासी अमरकीर्ति अपार्टमेंट, श्रीनगर कांकड़ एक्सटेंशन बताते हुए धमकी दी कि वह उसकी नौकरी छुड़वा देगा और 15 दिन बाद उसे बिस्तर पर पड़ा मिलेगा. आरोपी ने उसके पास फोटो-वीडियो होने का दावा किया और मां-बहन की अश्लील गालियां दीं. पीड़िता का कहना है कि धमकी भरी कॉल उसके मोबाइल में रिकॉर्ड है.

ट्रैफिक प्रहरी अभियान में बढ़ी नागरिक भागीदारी, चार प्रहरियों का सम्मान

इंदौर. शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ट्रैफिक प्रहरी अभियान में नागरिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है. मंगलवार को बेहतर यातायात व्यवस्था में योगदान देने वाले चार ट्रैफिक प्रहरियों को सम्मानित किया गया.

पुलिस आयुक्त के दिशा निर्देशन में शुरू किए गए इस अभियान के तहत अब तक 2304 नागरिक ट्रैफिक प्रहरी के रूप में पुलिस के साथ जुड़ चुके हैं और विभिन्न चौराहों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग दे रहे हैं. मंगलवार को उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार ट्रैफिक प्रहरियों को प्रशस्ति पत्र और शील्ड प्रदान की गई. साथ ही

नए जुड़े ट्रैफिक प्रहरियों को कैप, जैकेट और उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया. इस अवसर पर बताया गया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन और प्रबंधन की प्रक्रिया में सहभागी बनाना है, ताकि शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके.

कार्रवाई का असर जिन व्यापारियों ने दुकानें खोल रखी हैं, उन्होंने बोर्ड पर लिख रखा है- डोर उपलब्ध नहीं

ऑपरेशन स्कॉय का असर : बाजार से गायब हुआ चाइनीज मांझा

- कई व्यापारी दुकानों में ताले डालकर हो गए गायब

इंदौर. पुलिस के ऑपरेशन स्कॉय ने शहर में चाइनीज मांझा कारोबार की कमर तोड़ दी है. लगातार कार्रवाई और सख्त चेतावनियों के चलते अब तक शहर से करीब 90 प्रतिशत चाइनीज मांझा बाजार से गायब हो चुका है. हालात यह हैं कि जिन इलाकों में खुलेआम मांझा बिकता था, वहां अब दुकानों पर ताले लगे हैं या साफ लिखा है कि डोर उपलब्ध नहीं है.

कनाड़िया बायपास पर चाइनीज मांझा की चपेट में आने से 16 वर्षीय किशोर की मौत के बाद पुलिस ने अभियान तेज किया. इसके तहत डोर बेचने वाली करीब 80 दुकानों की पहचान की गई, जो एमजी रोड, खजराना, सदर बाजार, परदेशीपुरा, द्वारकापुरी, पंढरीनाथ, चंदन नगर, आजाद नगर और मल्हारगंज क्षेत्रों में थीं. सभी कारोबारियों को थानों पर बुलाकर बांडओवर कराया और दोबारा चाइनीज मांझा बेचने पर जेल और जिलाबदर की सख्त चेतावनी दी गई. एमजी रोड के काछी मोहल्ला क्षेत्र में चार कारोबारियों को तड़ीपार करने के नोटिस भी जारी किए गए.

कुछ लोग महंगे दामों पर अभी भी बेच रहे मांझा- पुलिस की सख्ती का सीधा असर बाजार पर दिखा है. शहर के प्रमुख पतंग बाजारों में अब मांझा मिलना लगभग बंद हो गया है. काछी मोहल्ला समेत कई इलाकों में एक भी दुकान पर चाइनीज मांझा नहीं है, जिससे खरीदार खाली हाथ लौट रहे हैं. हालांकि कुछ लोग चोरी-छिपे सामान्य डोर को भी महंगे दामों पर ब्लैक में बेच रहे हैं, लेकिन खुलेआम चाइनीज मांझा की बिक्री पर पूरी तरह ब्रेक लग गया है.

बाजार और इलाकों में लगातार रखी जा रही नजर

पुलिस की निगरानी के चलते अधिकांश व्यापारी अब सिर्फ पतंग बेच रहे हैं. एडीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि ऑपरेशन स्काय के तहत हर थाने में टीमें तैनात की गई हैं. क्राइम ब्रांच लगातार बाजार और इलाकों पर नजर रखे हुए है. छतों पर पतंग उड़ाने वालों की भी जांच की जा रही है ताकि चाइनीज मांझा के कारण किसी तरह की जनहानि न हो. पुलिस की सख्ती का असर यह भी है कि इस बार मकर संक्रांति पर पतंगबाजी अपेक्षाकृत कम रहने के संकेत हैं. अभियान को आगे भी जारी रखा जाएगा ताकि शहर को जानलेवा चाइनीज मांझा से पूरी तरह मुक्त किया जा सके.